Raga of the Month January 2025

Bahar ragake Swanirmit Prakar

बहार रागके स्वनिर्मित प्रकार

बहार एक संकीर्ण जाती का राग है। उसके स्वरूप पर बागेश्री, मिया मल्हार और अडाणा रागोंका प्रभाव है। बहार रागको अन्य रागोंके साथ जोडकर अनेक मिश्र राग निर्माण हुए है। पंडित भातखण्डेजीने " संगीत पद्धति " किताबमे ८ प्रकारके बहारके जोड़ रागोंका निर्देश किया है, जैसे की बागेश्रीबहार, बसंतबहार, भैरवबहार, हिंडोलबहार, जौनपुरीबहार, अडाणाबहार, मालकौंसबहार और रामबहार। www.oceanofragas.com संकेत स्थल मे बहारके ३० जोड़ रागोंके ऑडीओ समाविष्ट किये हैं। बहार रागका मूलस्वरूप इस प्रकार है।

आरोह - नि सा ᵐग म, प ग म, म निध, नि सां।

अवरोह - सां, नि प, म प, ᵐग म रे सा।

विशेष स्वर प्रयोग - पूर्वांग सा म, म प, ᵐग म, ᵐग म रे सा

- उत्तरांग म निध, नि सां, सां नि प

आज के ऑडीओ मे हम राग बहारके तीन स्वनिर्मित प्रकार सुनेंगे। १. राग पलासीबहार - जो पलासी और बहारका मिश्रण है; इस रागकी कल्पना पंडित विजय बक्षीजीको "नवराग निर्मिति" इस डॉ. टेंकशेजीके किताबसे मिली है, बंदिशकी रचना पं. बक्षीजीकी है।
२. राग जयजयवंती बहार जो पंडित यशवंत महालेजीने निर्माण किया है , इस रागकी बंदिश उन्हीके शिष्य पंडित सुधींद्र भौमिक जी ने गायी है. ३. अन्तमे पंडित छोटा गंधर्वजीसे राग शंकराबहार सुनेंगे जिसका सृजन उन्हीने किया हुआ है ।

आभार - श्री. राजीव परांजपे, पंडित यशवंत महाले ,

संदर्भ - "हिंदुस्तानी संगीत पद्धति" - पं. वि. ना भातखण्डे, भाग 4

"यशसंगीतामृत" - पं.यशवंत महाले

"नवराग निर्मिति" - डॉ. शंकर अनंत टेंकशे.

01-01-2025.

Link to the list of 160+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx